		The state of the s	1945
PRIN	TED	DOO	TP
TITITA	ILL	DUU	N

THE VEDIC PATH

Quarterly Journal of Vedic, Indological and Scientific Research Gurukula Kangri Vishwavidyalaya, HARDWAR

То,

If not delivered, please return to:
Dr. R. L. Varshney

Editor, Vedic Path
'Dreamland'
P. O. Gurukula Kangri-249 404

HARDWAR, U. P., INDIA.

हसारारित : काकारामशर्म्मण स्तीद्रास्त्र ।स्तीयस्।।

द्वाह्मधेतर्वालयरलेखत्वा पातकविर्णवयवस्पावविष्ठ

अपरंच मदनर ने राजमार्ने रः विगदे सर्वमा गत्म या जाया यह तो चरे जत्म राकेः यहान ने ना महा शिम चिन चेता सर्वे वा यह चे द्वारे वा व्याव के से में में में वे हि वे वा हि से वा वा व्याव के रहेन हिर्म में यह प्रदेश के वा वा व्याव के रहेन महा के यह मान से महा है के नम राकेः प्रमान म वा में मान राके विशे व्याव हिर्म में या म वा में यह मान राके विशे व्याव हिर्म में यह का ने स्तु मान राके विशे व्याव हिर्म में यह का ने विश्व के स्वाव है के से स्वाव स्वाव के स्व के स्वाव के स्व

المن الم المحنف الله الم

ورمطع وسيرند اول مانتهام أن كالمخز الملطع كريمي

दवीरिहंदयनालपमेयहव्यवस्थाछपी अन्त

(MKH)

न्योगलेकायनमः सिधासरस्यानिष्यः एमद्यसम्ततः काफीरतेषारम जेंग्रे (एका केताति ते क्तरमततः वालप्बप वेल्वण जम्मम्मगर् नर्य व न र स न के पातक वे व च प्रसार एक मानि विज्ञादी माजिए त के लिया हिस्सी कि एक तार है कि कतास्मयातीतः सफलमग्रेमविद्याति जत काम कित के कि दे हिए। सान वित्रादी अस्ति है । इसि कि कि कि कि १०एम मनहाय जाता काकार मूलपेवा दिनं यवस्थार्यं यस्य त्रमेण विड्या प्रविता म्हतार तार पाचणकाषु उत्तर दीवता विषयता नेदाली या हर स्वाप्तामनी वि

दणहांभगरेकालप्रदणनाकचेदनान्याप्रदण का नाल के दूर नाने तर वाल तर तर का त नवेति विश्वतिपति स्ववेत तक व्रणं नेवासित तव व्रमाण्य र ने मर्ए वाध्वताण तेनं त्रासिस्सा नानेवास विज्ञाना सतक सकला। गतानाव्ययत्रेव एव वित्राणितियाः स्ति

सर्गेश्वतिषयकं नात्रवर्षेत्रतकस्त्रि गुण सम्बागाना ह वस्ति चतात्राप्य

कलुजी निणा निजय सके शाका व्याप

चेहिलेश ना किती है

मान्तमहोके सवस्पाएन श्रीरभी छ्वनोतीनकेना म स्वस्थानिध्वातियोग संद्रम स्वित्रमात्रीनेवाद के वेद मेश्रसा स्था सङ्ग्रा प्रमायस्थानस्थानः ११॥३

वयाभागध्यः वया भागद्रेश्वर्गतिकेशंदि द्रश्तिद्वरमञ्चल्या त्रितिकामा नेजन्मरः श्रीत्र चामत्वस्या स्रीतिके द्रमी चेदमञ्ज

हसातराणि ः साकारामशर्मिण १ सीद्राक्षा

दणाहार्येतर्वालामर लेखतिक। यानक निर्णयस्य वस्याय अधिदम

अपरंच मदनरते राजमार्ते रः विवादे सर्वभागत्य याजाया यह मेचरेजना राष्ट्रेः प्रधानने नाम राष्ट्रेनिते तथेते सर्वे वा गुरु चे प्रके व ले केय च नादिष्ठ में जी वेंध विवाद च प्रति व्याव्य विशेषमें देशे गामेग दे पुद्र सेवा गाय्यव कर केन मरारोः प्रधानने जनगरित् रतः पर मि नियाने भाः प्रति कार्ये व व्याव स्था प्रमा न मन्त्रेन मित्र मागत्य भव दि देशे नी प्र क्रिस्त स्थान स्था स्था प्रमा क्रिस्त स्था मागत्य भव दि देशे नी प्र

ورمطع وبيرمند الرائه المنهام شنخ كريم نحن اللطع كريم بي

दवीरहिंदयना लपमेयह व्यवस्था छपी अन्द

(MK.H)

P

गलेकायनमः सहामरस्यानेड्यः वततः काशीरातयारमदतादी स (एका कतात्वाकार) क्रमसमातः वालप्बंधक करण्या तेनेक्च त ५ मातः एए तत्वात्राक्तं धकार्यत्वेव। चमसाह एवं गमात करं को सं EMMINES वात्रवाताताताः सकतम्यभववाते **एक कि इस्तिह** क्षणवाः तः शंग तथाको चे विद्धिः परिकार तेकाम ध्येन के श्विद कार्क श्री चारा विकास विश्वादिया है। हिल्ला कि है कि हिल्ला कि है कि ह दिनं चावस्थार्ष्यास अभा का का एमेल विडमा प्रावता हर राष्ट्रायान के निर्माणन विषयत नेत्र लिया हर स्वता

医后颌后后面原 नक्तन्य क्रात्याचा किपी तब बन मिष्रिमा ल मिल्य त्जातेवा हिए। जाना य्याहिति के रितक्तितं त्राष्ट्रमाएं बह्मानु वच्चा वज्ञानो यादमले स्त्रोसत्तक एवत स्त्रतक तक स सर्वाक्रम्महर्तिकोकेहण्डीतं केर्द्राम ति तेवं वाका त्रणां जिल्ला तात्र अवा हाम्ये तरे वालमद्रीय वां धवा नं पाने के ना सिरहता क्री वंमा है रेवना नेव बास विडाना स्तर्क सकला। न्यान्य प्राचित्र द्विवेकपाठीयया यद्विविद्यात्रमा 和市 和市民市民市和市界市民市民 清阳流行在水南部为 用另外

सर्गिनविद्य धर्वः नात्र न स्ट्रिक्त न कि स्थिति। ARRIMEEN तिस्तिकामित्वाकारं वचन वाष्ट्रासान त्रमाण कालकान्य पादा नित्रत्यः काच्य स्प्रपानकापवयावलीय कार्द गुलका व्यावात ते पि वा ज्ञाव एपक जनम ते बहत्र वेतात्र पिष्ठहर्ते जीव तो वा तंबंदिगक्तिमातः श्रदेदणदेनस

:शोकिना गोनिए र निज्यप्य के रास्त

एं यहिचादी ने संकी रेजाना एन स्वी कियते कि ल माएगतिति चे मिदिवाप वाक्षत्रयाचेन्यात्व

त्रिक्त तिस्तिति विक्रिया ते वेवस्त तस्का त्याचिक का लेक कर 如东京中部四年中西南部中东南部 मुपार्य विता अविदित्य प्राची या विवास मर्लि विज्ञादीना जनन्ति वि वित्रज्ञानिक्र भतिस्तन हिन्ते तति स्त विधीय ते र ति जै कि लेवा का तर र ति है वृत्ताका चुरुपिरानामण्या र 南南南风马布阳南风

काहन

जिन्द्र हरा

न

पूर्णिकी चेहिंदा ना मिति चेत्नायः कारी BURYE

मालमहोके खवरपाएउ श्रोदमी छवनमेतीनकेना म खबस्पावधवाति केम के इन क्षित्रम ब्रेतिकद के वेद मेश्रकारका गुरुगा ह समयखबस्यासं १४४३

वधामग्रह्मः वग भगदे वर्गिके के दि दुर्के कि इन का बाह्या त्रितिकामा ने जन्मरा शित्र हान तक वस्ता सिद्धित दुनी चेदना क